धूम्रपान से वायु प्रदूषण होता है 40 गुना ज्यादा

■ राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर। शहर की होटलों, बारों और रेस्तरांओं में धूम्रपान के कारण वायु प्रदूषण का स्तर सामान्य से 40 गुना ज्यादा हो गया है। ये स्थिति बेहद खतरनाक है। नियमानुसार इन स्थानों पर स्मोकिंग रूम नहीं है। धूम्रपान के कारण गर्भवती महिलाओं को गर्भपात का खतरा बढ़ने के अलावा कैंसर के प्रकरण बढ़ रहे हैं।

ये निष्कर्ष हैं हैल्थ एसोसिएशन के

संगठन ने इंदौर चार प्रमुख स्थानों पर ऐसा सर्वे किया जिसमें पाया कि धूम्रपान संबंधी जितनी सावधानी और सतर्कता रखी जाना चाहिए उतनी नहीं रखी जा रही। इन्हें अनदेखा इसलिए किया जा रहा है कि संबंधित अधिकारी इस ओर ध्यान देना नहीं चाहते। निदेशक डॉ. पीसी भटनागर के अनुसार होटलों-बारों और रेस्तरांओं में किए सर्वे में पता चला कि लोग खुलेआम सिगरेट पी रहे थे जबकि नियमानुसार तीस से ज्यादा कमरों वाले स्थानों पर पृथक कक्ष जरूरी है। इनमें से किसी भी स्थान पर न तो धूम्रपान निषेध संबंधी बोर्ड थे और न कोई रोकटोक। और तो और, इन स्थानों पर ऐश ट्रे की सुविधा उपलब्ध की जा रही थी जो कानूनन प्रतिबंधित है।

श्री भटनागर के अनुसार इंदौर से लिए गए डाटा का विश्लेषण रोजवेल पार्क कैंसर संस्थान न्यूयार्क में किया गया। इससे ये भी निष्कर्ष निकला कि इंदौर की वायु में पार्टिकुलेट मेटर 2.5 था जो बेहद खतरनाक स्थिति है। इस स्तर का मतलब ये है कि सिगरेट-बीड़ी का धुएं में मौजूद कण सांसों के जरिए फेफड़ों में जाते हैं जो कैंसर जैसी बीमारियों के कारण हैं। इसका फैलाव तेजी से हो रहा है। महिलाओं और बच्चों में 2.5 पीएम यानी पार्टिकुलेट मेटर की स्तर तेजी से बढ़ रहा है जिससे गर्भपात की घटनाएं बढ़ रही हैं।